# आवारा कुत्तों की समस्या

#DogBiteSolution

# समाधान क्या?


**विजय गोयल**

(अध्यक्ष, लोक अभियान)

74 बाबर रोड, बंगाली मार्किट, नई दिल्ली -01

# लोक अभियान
## (विजय गोयल की एक पहल)

मेरे जीवन की बड़ी उपलब्धि में पूरे देश में एक अंक की लॉटरी पर प्रतिबन्ध लगवाना था, जिसके कारण लाखों लोग बर्बाद हो रहे थे और आत्महत्या कर रहे थे।

जब हमने लॉटरी आन्दोलन शुरू किया था, तब लोग मुझे कहते थे कि देश में स्वयं राज्यों की सरकारें लॉटरी खिलवा रही हैं और लोग कानूनन लॉटरी खेल और बेच रहे हैं, तो आपको इसमें क्या आपत्ति है ?

दूसरा, लोग यह कहते थे कि इस खरीदने– बेचने के काम में लाखों लोग लगे हैं, ये लोग आपके विरोधी हो जाएंगे और आप इतने बड़े देश से, इतने बड़े लॉटरी माफिया से कैसे संघर्ष करोगे। इसीलिए लॉटरी पर प्रतिबन्ध लगाना मुमकिन नहीं है।

मैं उनको कहता कि लॉटरी पर प्रतिबन्ध तो सरकार को लगाना है, मेरा काम तो देश में माहौल बनाना है। इस लॉटरी के कारण देश में ज्यादातर गरीबों के घर बर्बाद हो रहे हैं।

आज आवारा कुत्तों के काटने की समस्या को लेकर हम एक आन्दोलन खड़ा कर रहे हैं। लोग फिर वही प्रश्न कर रहे हैं कि आप कुत्तों के खिलाफ हैं ? मैं उनको कहता हूं, मैं कुत्तों के खिलाफ नहीं हूं। जो लोग मुझे इस काम से रोक रहे हैं, वो कुत्तों का भला नहीं कर रहे हैं। मैं तो कुत्तों को सम्मान दिला रहा हूं, क्योंकि आवारा कुत्तों के काटने की समस्या इसी तरह से बढ़ती चली गई तो लोग कुत्ते जैसे वफादार जीव से नफरत करने लगेंगे।

पिछले दिनों मैं पूना गया था, सोसाइटी के 1000 से ज्यादा लोग इकट्ठे हुए। उनका कहना था कि आप कैसे हमें इन कुत्तों के काटने की समस्या से निजात दिलाएंगे। मैंने उनको कहा, यह काम एक दिन में नहीं होगा, मेरा काम है, देश में माहौल बनाना और इसके लिए सही कानून बने ताकि इंसान और कुत्ता एक साथ रह सकें।
हमारे घरों में गाय और कुत्ते के लिए रोटी निकाली जाती है और बच्चों को हम जानवरों से प्यार करना सिखाते हैं। इसलिए हम चाहते हैं कि उनकी संख्या सीमित रहे। हमारे इस आन्दोलन का उद्देश्य है आवारा कुत्तों का अधिक–से–अधिक **Sterilisation, Vaccination** और पीड़ित व्यक्ति को **Compensation**।

जो लोग हमारा विरोध करने के लिए आते हैं, उनको हम कहते हैं कि हमारी कौन–सी बात से आप असहमत हैं, तो उनके पास कोई उत्तर नहीं होता, क्योंकि **Sterilisation** और **Vaccination** तो वो लोग भी चाहते हैं, जो कुत्तों को खाना देते हैं।

सरकार को **ABC Rules** ऐसे बनाने चाहिए, जो जनता को स्वीकार्य हों, किसी के ऊपर आप थोप नहीं सकते ।
मुझे विश्वास है, हमारी बात उन्हें समझ आएगी।

# क्या आप जानते हैं?

देशभर में आवारा कुत्तों कि गणना पिछले कई वर्षों से नहीं हुई है।

देश कि राजधानी दिल्ली में कुत्तों कि अंतिम गणना वर्ष 2009 में हुई थी।

एक अनुमान के अनुसार देश भर में 6 करोड़ 40 लाख तथा दिल्ली मे फिलहाल 8 लाख से अधिक आवारा कुत्ते हैं।

# 'डॉग बाइट' के भयावह आंकड़े

- देश भर में नागरिकों विशेष रूप से बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों पर सड़कों के साथ-साथ गेट वाले कॉलोनियों में होने वाले आवारा कुत्तों के हमलों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। ये वारदातें सीसीटीवी कैमरा की फुटेज में देखी जा सकती हैं।
- दिल्ली में हर दिन तकरीबन 2000 तथा हर महीने 60,000 डॉग-बाइट के मामले सामने आते हैं।
- अकेले आरएमएल अस्पताल में रोजाना 200 मरीज कुत्ते के काटने के इलाज के लिए आते हैं। जबकि हरिश्चंद्र अस्पताल में हर महीने 3000 और जीटीबी में हर महीने करीब 9000 डॉग-बाइट के मामले आ रहे हैं।
- कुत्ते के काटने के जो मरीज प्राइवेट अस्पतालों में जाते हैं उनकी तो कोई गणना ही नहीं है।
- यह संख्या बंदरों बिल्लियों या किसी अन्य जानवर के काटने से काफी अधिक है।

# India: The Rabies Capital of the World

·According to the World Health Organisation (WHO), India accounts for one-third of the global deaths due to rabies.
·Every year more than 20,000 people die due to rabies in India.
·India is lagging behind many smaller countries of South Asia such as Bhutan, Sri Lanka, etc. in tackling the spread of rabies.
·Recently, the Union government has drawn a 'National Action Plan for Dog Mediated Rabies Elimination' by 2030. There is need to take up this plan on priority basis with active inter-ministerial co-operation, especially between Ministry of Health and Ministry of Animal Husbandry.

# आखिर कुत्ते काटते क्यों हैं

- कुत्तों के काटने के अधिकांश मामले अपनी तथा अपने इलाके की सुरक्षा से जुड़े होते हैं। दरअसल कुत्ता एक ऐसा जानवर है जो अपना खाना स्वयं ढूंढ के खा सकता है। खाने की तलाश में वो कई-कई किलोमीटर दूर तक चला जाता है। परन्तु जब हमें उसे किसी खास जगह खाना डालने लगते हैं तो वह उस इलाके पर अपना अधिकार जमाने लगता है। ऐसे में वह उस इलाके से न सिर्फ दूसरे कुत्तों को बाहर खदेड़ देना चाहता है, बल्कि अनजान लोगों को उस इलाके में देखकर असुरक्षावश आक्रामक हो जाता है।

- तीन मौकों पर कुत्ते ज्यादा आक्रामक हो जाते हैं:

  1. प्रजनन के समय
  2. जब मादा गर्भवती हो या उसने हाल ही में बच्चों को जन्म दिया हो,
  3. जब उन्हें अपने इलाके में किसी के घुसपैठ की आशंका हो।

- हाल ही में एक और बात सामने आई है कि कई पशुप्रेमी तथा कसाई आवारा कुत्तों को बचे हुए मांस के टुकड़े अथवा हड्डियाँ खिलाते हैं। यह कुत्तों में हिंसक प्रवृत्ति को बढ़ावा देता है। ऐसे में जिस दिन उन्हें मांस नहीं मिलता वो इंसानों तथा बच्चों पर आक्रमण करते हैं।

# डॉग बाइट: आखिर इस मर्ज की दवा क्या है

1. सबसे पहले घाव को धो लें।
2. हल्के गुनगुने पानी और साबुन का प्रयोग करें।
3. ओवर-द-काउंटर एंटीबायोटिक क्रीम को लगाएं।
4. डॉक्टर की सलाह पर रेबीज का इंजेक्शन लगवाएं।
5. कुत्ते के काटने के लक्षणों जैसे लालिमा, सूजन, दर्द और बुखार आदि पर विशेष ध्यान रखें।
6. इसके बारे में डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें।

# Dog Menace Solutions

**Three-pronged strategy:**

**1. Sterilization:** Slow rate of sterilizations and rampant corruption in NGOs involved in sterilization of stray dogs led to phenomenal rise in population of stray dogs in recent years.

We demand for 100% sterilization of stray dogs.

Civic bodies should directly undertake the task of sterilization.

# Dog Menace Solutions

**2. Vaccination/Injection:** There is acute scarcity of anti-rabies injection in government hospitals. It is not readily available in all the primary healthcare centres.

In private hospitals the victim of dog-bite has to spend around 1500-2000 Rs. for various doses of anti-rabies injection.

We demand proper supply and enhanced production of anti-rabies injection as well as vaccination.

All stray dogs should also be administered anti-rabies injections time-to-time.

# Dog Menace Solutions

**3. Compensation :** We demand adequate compensation for all the victims of stray dogs.

The recent verdicts of Punjab and Haryana High Court (November 13, 2023) and Odisha High Court (December 15, 2023) also validate this demand of compensation to stray dog victims.

According to the order of Punjab and Haryana High Court in the cases relating to dog bites, the financial assistance shall be at a minimum of Rs 10,000 per tooth mark, and where the flesh has been pulled off the skin, it shall be a minimum of Rs 20,000 per '0.2 cm' of the wound.

## Stray dog bite: HC rules Rs 10K per teeth mark compensation

**JAGPREET SINGH**
CHANDIGARH, NOVEMBER 13

HOLDING THE state as "primarily responsible" for paying compensation to people in incidents where stray animals are involved, the Punjab and Haryana High Court has ruled that in cases relating to dog bite, the financial assistance shall be at a minimum of Rs 10,000 per teeth mark and where the flesh has been pulled off the skin, it shall be a minimum of Rs 20,000 per 0.2 cm of wound.

The high court, while disposing a bunch of 193 pleas, also ordered the states of Punjab and Haryana and the Union Territory of Chandigarh to constitute committees chaired by the deputy commissioners of respective districts to the determine such compensation.

"The award shall be passed by the committees within a period of four months of the claims being filed before it along with requisite documents...The State shall be primarily responsible to pay compensation with a right to recover the same from the defaulting agencies/instrumentalities of the State or the private person, if any," a bench of Justice Vinod S Bhardwaj said.

# क्या हो समाधान!

1.कुत्ते काटने के मामले में राज्य सरकार की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। हाल ही में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने कुत्ते द्वारा काटे जाने पर राज्य सरकार को 10,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये प्रति बाइट तक मुआवजा देने का आदेश दिया है। इसे दिल्ली समेत पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

2.आवारा कुत्तों की जनसंख्या पर नियंत्रण पाने के लिए ज्यादा-से-ज्यादा कुत्तों की नसबंदी होनी चाहिए।

3.नसबंदी का कार्य नगर निगम अपने हाथों मे ले क्योंकि इसमें लिप्त NGO से जुड़े भ्रष्टाचार के कई मामले सामने आए हैं।

4.RWAs को आवारा कुत्तों को खिलाने की व्यवस्था करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

5.कुत्तों को खिलाने के लिए एक अलग सी निर्जन जगह निर्धारित हो (Feeding Points for Dogs) जिसे नगर निगम द्वारा तय किया जाना चाहिए।

6.कुत्तों के लिए एक National Adoption Policy बनाई जाए।

7.सभी कुत्तों को Anti-Rabies Injection लगानी चाहिए।

8.आक्रामक कुत्तों के लिए एक अलग से कुत्तों का बाड़ा बनाया जाना चाहिए।

9.सभी कुत्तों की गणना की जानी चाहिए। इसके लिए geo-tagging का इस्तेमाल कर सकते हैं।

10.कुत्तों और इंसानों दोनों को तकलीफ न हो ऐसे कानून बनने चाहिए।

11.सरकारी अस्पतालों मे रैबीज इन्जेक्शन कि पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।

12.जिन्हें कुत्ते ने काटा हो उनका राज्य सरकार मुफ्त इलाज करे।

13.2030 तक भारत को रैबीज मुक्त देश बनाने के लक्ष्य की तरफ बढ़ा जाए। इसके लिए पशु कल्याण मंत्रालय के साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्रालय को भी मिलकर काम करना चाहिए।

# खोखले सरकारी प्रयास

डॉग बाइट की घटनाओं को रोकने के लिए दिल्ली सरकार और एमसीडी के प्रयास हकीकत के धरातल पर नहीं उतर रहे हैं।

2019 में केजरीवाल सरकार ने कुत्तों की समस्या पर सोमनाथ कमेटी बनाई थी। लेकिन कमेटी की एक भी सिफारिश को आज तक लागू नहीं किया गया।

दिल्ली में मौजूद 70 वेटरिनरी अस्पतालों में से किसी में भी आवारा कुत्तों की नसबंदी का कार्य नहीं होता है। यह काम पूर्णरूप से NGO पर छोड़ दिया गया है जिनमें भारी भ्रष्टाचार है।

दिल्ली में सिर्फ 20 नसबंदी केंद्र हैं जिसमें मात्र 16 कार्यरत हैं। इनमें भी 4 केंद्रों को छोड़कर बाकी केंद्रों पर नसबंदी निजी NGO के माध्यम से होती है।

दिल्ली में 50 प्रतिशत से ज्यादा कुत्तों की नसबंदी नहीं हुई है।

पिछले 14 साल से दिल्ली में कुत्तों की गणना नहीं हुई है।



## 4 अस्पतालों में ही डॉग बाइट के 1 लाख केस

### दिल्ली में लगातार बढ़ रहे कुत्तों के काटने के केस, सैकड़ों लोग रोज आ रहे अस्पताल

दिल्ली के चार प्रमुख अस्पतालों में 850 से 900 लोग रोजाना डॉग बाइट का शिकार होकर वैक्सीनेशन के लिए पहुंच रहे हैं। सफदरजंग अस्पताल में रोजाना 350 मामले आ रहे हैं तो जीटीबी अस्पताल में यह संख्या 300 से 400 के बीच है। एलएनजेपी में रोजाना 120 से 130 लोग वैक्सीन लेने पहुंचते हैं। राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में औसतन 100 लोग रोज आ रहे हैं। हमारे 4 रिपोर्टर्स ने 4 अस्पतालों का लिया जायजा:

**GTB अस्पताल: वैक्सीन पर्याप्त, लगती है लंबी लाइन**

[illegible]

**850-900**

लोग रोजाना एंटी रेबीज वैक्सीनेशन के लिए पहुंचते हैं इन अस्पतालों में

**डर पैदा करते आंकड़े**

- 4 प्रमुख अस्पतालों के आंकड़ों से पता चलता है राजधानी में कुत्तों का डर
- जीटीबी, सफदरजंग, एलएनजेपी और हरिश्चंद्र अस्पताल में लगती है लाइनें

**हरिश्चंद्र अस्पताल में महीने में 3 हजार केस**

नरेला के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में डॉग बाइट की वैक्सीन की फिलहाल कोई कमी नहीं है। यहां पर अस्पताल में तय शेड्यूल से आ रहे मरीजों को एंटी रेबीज वैक्सीन के सभी इंजेक्शन आसानी से मिल जा रहे हैं। डॉक्टर के बताए गए पर्चे के अनुसार सभी इंजेक्शन लगाए जा रहे हैं। यहां पर आमतौर पर ओपीडी बेसिस पर वैक्सीन लग रही है, लेकिन जो देरी से पहुंच रहे हैं उन्हें कैजुअल्टी में जाकर वैक्सीन लेनी होती है। सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर सुशील कुमार ने बताया कि अस्पताल में एंटी रेबीज इंजेक्शन की कोई कमी नहीं है। हर दिन औसतन 100 से 120 मरीजों को टीका लगाया जाता है, जिसमें ज्यादातर डॉग बाइट के मरीज होते

## डॉग बाइट बढ़ने पर आंकड़ों में 'खेल'



Sudama.Yadav@timesgroup.com

नई दिल्ली: पिछले पांच सालों के दौरान दिल्ली में डॉग बाइट के कुल 1,14,951 मामले एमसीडी ने रेकॉर्ड किए, लेकिन इन्हीं सालों में तब की अलग-अलग तीन एमसीडी (साउथ, नॉर्थ और ईस्ट) के आंकड़ों पर गौर करें तो कुत्तों के काटने के दोनों आंकड़ों में काफी अंतर है। डॉग बाइट के मामले में साउथ दिल्ली पहले नंबर पर और ईस्ट दिल्ली दूसरे नंबर पर है। एमसीडी ने कुत्तों के काटने की जो रिपोर्ट अलग-

**1,14,951**

मामले 2018 से 2022 तक आए एमसीडी की ताजा रिपोर्ट में

**10 साल से गिनती नहीं**

दिल्ली में आवारा कुत्तों की संख्या जानने के लिए पहली बार 2012 में डॉग सेंसस कराया गया था। तब, दिल्ली में कुत्तों की संख्या करीब 2 लाख पाई गई थी। इसके बाद से एमसीडी ने कभी डॉग सेंसस ही नहीं कराया। इससे वर्तमान में दिल्ली में

# Delhi Government House Committee Report on Stray Dogs: Summary

## Guidelines which were never implemented!

1. The Municipal Corporations of Delhi, NDMC and DCB (Delhi Cantonment Board) should immediately frame a proper SOP detailing point wise action for eradication of menace of stray dogs.

2. Street dogs are to be sterilized, vaccinated and subsequently released into the same area from where they were captured.

3. The existing legal provision, according to Clause 6 of the Animal Birth Control (Dogs) Rules, 2001 (ABC Rules) issued by the Animal Welfare Board of India, states, " The dogs will be sterilized/vaccinated under the supervision of the veterinarians of the hospital run by the Society for Prevention of Cruelty to Animals (SPCA), Animal Welfare Organization or other dog shelters. After necessary period of follow up, the dogs shall be released at the same place or locality from where they were captured."
Serious steps need to be taken in accordance to this clause approved by the Animal Welfare Board of India.

4. A monthly inspection of all the dog sterilization centres need to be undertaken.

5. Use of educational institutions, elected public representatives, community leaders, welfare associations, print media and banners/hoardings for spreading awareness regarding rabies and immunization programmes.

6. Rabies should be declared a 'Notifiable Disease' immediately.

7. Formation of Anti-Rabies Vaccination Team, two teams for each Municipal Zone, comprising of 7 persons with an aim to cover the entire estimated stray dog population annually for next 5 years.

1. Issuance of allotment of separate Budget for making Delhi Rabies Free.

2. Need to upgrade the manufacturing plants of Anti-Rabies Vaccine injections as per WHO norms. This process would require 2 years.

3. Anti-Rabies Vaccine may also be imported from Tamil Nadu's Medical Supply Corporation to mitigate the prevalent shortage of this vaccine in Delhi.

4. Government should ban export of Anti-Rabies vaccine outside India keeping in mind its shortfall inside the country.

5. Need to develop a dedicated space where the process of sterilization/immunization of stray dogs can be performed by the staff/officials of the three Municipal Corporations of Delhi and the NDMC.

6. Need to develop innovative methods of dog sterilization: for example, catching stray dogs with multiple mobile units, use of innovative male contraceptive drug (called Reversible Inhibition of Sperm under Guidance) by ICMR, etc. Animal Welfare Board may be requested to promote research in this direction.

7. Stray dogs or any other animals which endangers human lives should be moved out immediately to places far away from human habitation to the forest areas.

8. Entry of parks should be designed in such a way that no stray dog can enter inside it.

9. Better monitoring of sterilization procedures should be undertaken.

10. Utilization by the Municipalities of expertise of their respective veterinary doctors/officials to control the menace of stray dogs more effectively.

11. Municipalities may make arrangements for dog shelters where captured stray dogs are kept and treated until completely fit. Each stray dog under such shelters should be registered through Iris Biometric Recognition.

# Animal Birth Control (ABC) Rules, 2023
## (Objections raised by RWAs and concerned citizens)

**1.ABC Rules Section 2(d) states - "Animal Shelter means place where stray or street or abandoned animals are kept for adoption or rehabilitation, general treatment while they are ill or injured."**

Under the Prevention of Cruelty to Animals Act funding shelters for unwanted animals is one of the primary functions of the Animal Welfare Board of India (AWBI).

The above definition nullifies this function and make shelters only a temporary holding place for animals. Whereas AWBI should work for creating permanent shelters for all stray animals including dogs.

**2.ABC Rules Section 3 'Project Recognition' states – "No local authority or organisation shall undertake, conduct or organise animal birth control program for street dogs without a Certificate of Project Recognition from the Board."**

This exceeds the authority and purview of the AWBI. Local bodies are governed by State Municipal laws and do not need the consent or approval of the Board. The AWBI is attempting to illegally extend its power over the functioning of both state health departments and the management of a disease transmitting species under the guise of animal birth control.

**3.ABC Rules Section 3(6) states – "If a Local Authority is conducting the animal birth control program through its own veterinary officers, the Project In-charge of the Local Authority shall obtain Project Recognition from the Board."**

Veterinary doctors are only required to be registered with the Veterinary Council of India. AWBI has neither the expertise nor the authority to grant any such recognition.

**4.ABC Rules Section Section 16(6) states – "If the dog is found not to have rabies but some other disease or is furious in nature then it would be handed over to the Animal Welfare Organisation (AWO) who will take the necessary action to cure and release the dog after 10 days of observation."**

**a.**This section does not explain what it is that the AWO/NGOs would "observe" and for what purpose.
A dog in an enclosure or shelter would obviously be unable to exhibit the behaviour of a free-roaming dog on the streets and would have no scope to bite anyone.
**b**.Releasing aggressive, ferocious and biting dogs is an offence under Section 289 of the Indian Penal Code which defines negligent conduct and causing harm with an animal.

**5.ABC Rules Section 20 'Feeding of Community Animals' states – "(1) It shall be responsibility of the Resident Welfare Association (RWA) or Apartment Owner Association (AoA) or Local Body's representative of that area to make necessary arrangement for feeding of community animals residing in the premises or that area involving the person residing in that area or premises as the case may be, who feeds those animals or intends to feed those animals and provide care to street animals as a compassionate gesture."**

This provision of making RWAs responsible for stray dog feeding is problematic as:
**i.)**Large portions of urban settlement including unauthorised colonies do not come under any RWA.
**ii.)**In many societies RWA is not registered, nor elected.
**iii.)**In some areas there are more than one RWAs functioning and there are infightings among them.
**iv.)**RWAs do not have enough resources and manpower to make such arrangement.
Hence, making RWAs responsible to make necessary arrangement for feeding of community animals does not make much sense.

# HISTORIC JUDGEMENTS

## आवारा कुत्तों पर कुछ ऐतिहासिक अदालती फैसले

**Punjab and Haryana High Court:** 13 नवम्बर 2023 को आवारा कुत्तों से जुड़ी घटनाओं में लोगों को मुआवजा देने के लिए राज्य को मुख्य रूप से जिम्मेदार मानते हुए, पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला सुनाया कि कुत्ते के काटने से संबंधित मामलों में, वित्तीय सहायता न्यूनतम 10,000 रुपये प्रति दांत होगी। वहीं, यदि निशान और जहां त्वचा से मांस खींच लिया गया है और 0.2 सेमी तक घाव हो गया है तो, न्यूनतम 20,000 रुपये देने होंगे।

**Bombay High Court:** 20 अकतूबर 2022 को बश्वम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह निर्देश दिया किरू 'कोई भी नागरिक और नागपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों का कोई भी निवासी सार्वजनिक स्थानों, बगीचों में आवारा कुत्तों को खाना नहीं खिलाएगा या खिलाने का कोई प्रयास नहीं करेगा ... यदि कोई व्यक्ति आवारा कुत्तों को खिलाने में रुचि रखता है तो वह पहले आवारा कुत्तों को अपनाएगा। उसे घर ले आयें, उसे नगर निगम के अधिकारियों के पास रजिस्टर कराएँ या कुछ कुत्तों के आश्रय गृह में रखें और फिर उसपर अपना प्यार और स्नेह बरसायें।' ऐसा न करने पर न्यायालय ने जुर्माना लगाने कि भी बात की थी। बाद में बश्वम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ के इस फैसले पर सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा दी।

# HISTORIC JUDGEMENTS

## आवारा कुत्तों पर कुछ ऐतिहासिक अदालती फैसले

**Kerala High Court:** 16 सितम्बर 2022 को केरल हाई कोर्ट ने सरकार को यह निर्देश दिया कि कुत्ते के काटने के पीड़ितों को प्रभावी और मुफ्त चिकित्सा उपचार प्रदान करने कि व्यवस्था की जानी चाहिए।

**Supreme Court of India:** यह ध्यातव्य है कि आईपीसी की धारा 289 के तहत पालतू जानवर की हरकतों के लिए मालिक जिम्मेदार है। इसी तर्ज पर 9 सितम्बर 2022 को सर्वोच्च न्यायालय ने यह सुझाव दिया कि जो लोग लावारिस कुत्तों को खाना खिलाते हैं, उन्हें टीकाकरण के लिए जिम्मेदार बनाया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि ये कुत्ते अगर किसी को काट लेते हैं. तो उस व्यक्ति का इलाज कराना और मुआवजा भी इन्हीं लोगों को देना चाहिए जो लावारिस कुत्तों को खाना देते हैं।

**Delhi High Court:** दिल्ली हाई कोर्ट ने मई 2022 में आदेश दिया कि आवारा कुत्तों को भोजन का अधिकार है और नागरिकों को यह अधिकार है कि वह आवारा कुत्तों को खाना खिला सकता है। जिस पर सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने रोक लगा दी थी और फिर 22 मई को सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर लगी रोक को हटा दिया।

**Supreme Court of India:** 2016 में सर्वोच्च न्यायालय ने तमाम राज्यों को निर्देश दिया था कि वे एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया की देखरेख में आवारा कुत्तों की नसबंदी और वेक्सिनेशन का काम पूरा करें। परंतु इस पर कोई खास संज्ञान राज्य सरकारों द्वारा नहीं लिया गया और आवारा कुत्तों कि संख्या बढ़ते चले गयी।

**Supreme Court of India:** 18 नवम्बर 2015 को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक फैसले में कहा कि पशुओं के प्रति करुणा और मानव जिंदगी के बीच संतुलन बनाना होगा। कुत्ते की जान मानव जिंदगी से अधिक कीमती नहीं है। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि मानव जीवन के लिए खतरा बन चुके आवारा कुत्तों से कड़ाई से निपटने की जरूरत को किसी पुराने स्थानीय कानून के बहाने टाला नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बिना मालिक के आवारा कुत्ते समाज के लिए खतरा हैं।

दरअसल, सच तो यह है कि न्यायालय एवं न्यायाधीश आवारा कुत्तों के मसले पर एकमत नहीं हैं।

# RECENT INCIDENTS OF FATAL STRAY DOG ATTACKS IN INDIA

**1.) October 2023 - Wagh Bakri executive director Parag Desai dies after being injured while warding off stray dogs**
https://indianexpress.com/article/cities/ahmedabad/wagh-bakri-group-parag-desai-passes-away-8995581/

**2.) September 2023 - Ghaziabad boy dies of rabies over a month after dog bite, hid incident from parents out of fear**
https://www.thehindu.com/news/national/other-states/ghaziabad-boy-dies-of-rabies-over-a-month-after-dog-bite-hid-incident-from-parents-out-of-fear/article67276915.ece

**3.) September 2023 - In Supreme Court, Lawyer With A Bandage Sets Off A Stray Dogs Discussion**
https://www.ndtv.com/india-news/supreme-court-stray-dogs-chief-justice-dy-chandrachud-in-supreme-court-lawyer-with-a-bandage-sets-off-a-stray-dogs-discussion-4379115

**4.) May 2023 - Stray dogs kill 7 year old boy in Telengana**
https://telanganatoday.com/telangana-stray-dogs-maul-and-kill-six-year-old-boy-in-kazipet

**5.) April 2023 – Stray dogs kill 5 year old girl in Chhattisgarh**
https://www.hindustantimes.com/cities/others/5yearold-girl-mauled-to-death-by-stray-dogs-in-chhattisgarh-parents-were-working-at-nearby-construction-site-police-investigate-dogattack-chhattisgarh-101680957910131.html

**6.) April 2023 – Stray dogs kill 65 year old man in Aligarh**
https://www.thehindu.com/news/cities/Delhi/65-year-old-man-mauled-to-death-by-stray-dogs-on-amu-campus/article66744923.ece

**7.) April 2023 - Stray dogs kill 3 month old infant in Aligarh**
https://economictimes.indiatimes.com/news/new-updates/two-kids-mauled-to-death-by-dogs-in-separate-incidents-in-uttar-pradesh/articleshow/99719959.cms?from=mdr

**8.) April 2023 – Stray dogs kill 11 year old boy in UP**
https://www.ndtv.com/cities/stray-dogs-maul-11-year-old-boy-to-death-in-up-bite-off-his-face-arm-police-3938068

**9.) April 2023 – Stray dogs kill 7 year old boy in Moradabad**
https://www.tribuneindia.com/news/nation/up-2-kids-mauled-to-death-by-dogs-in-separate-incidents-500464

**10.) April 2023 – Stray dogs kill 18 month old baby in Andhra Pradesh**
https://www.timesnownews.com/india/18-month-old-mauled-to-death-by-stray-dogs-in-andhra-pradesh-article-99692179
**11.) March 2023 – Stray Dogs kill 79 year old woman in Ladakh**
https://www.thestatesman.com/india/79-year-old-woman-mauled-to-death-by-dogs-in-ladakh-1503166215.html
**12.) March 2023 – Stray dogs kill 2 boys in Delhi**
https://www.indiatoday.in/india/story/delhi-stray-dog-incidents-two-children-killed-in-vasant-kunj-2345671-2023-03-12
**13.) March 2023 – Stray dogs kill 3 year old girl in UP**
https://timesofindia.indiatimes.com/city/bareilly/stray-dogs-kill-3-year-old-up-girl-200-bite-marks-found/articleshow/98344576.cms
**14.) March 2023 – Stray dogs kill 29 year old man in Surat**
https://indianexpress.com/article/cities/surat/29-yr-old-man-dies-of-suspected-stray-dog-attack-in-surat-8526897/
**15.) March 2023 - Stray dogs kill 1 month old infant in Rajasthan**
https://www.independent.co.uk/asia/india/rajasthan-dog-kills-infant-hospital-b2292667.html
**16.) Dec 2022 – Stray dogs kill woman in Bihar**
**https://www.timesnownews.com/mirror-now/in-focus/bihar-woman-in-begusarai-killed-by-a-pack-of-15-maneater-dogs-article-96233509**
**17.) Dec 2022 – Stray dogs attack 13 year old boy in Punjab**
**https://indianexpress.com/article/cities/sas-nagar-mohali/stray-dogs-spread-terror-at-zirakpur-attack-13-year-old-190-cases-reported-in-two-months-8319301/**
**18.) Dec 2022 - This article lists 3 more deaths by stray dogs**
**https://timesofindia.indiatimes.com/city/patna/53-year-old-woman-killed-by-stray-dogs-in-begusarai/articleshow/96240458.cms**
**19.) Oct 2022 – Stray dogs kill 7 month old child in Noida**
**https://timesofindia.indiatimes.com/city/noida/noida-1-year-old-toddler-mauled-to-death-by-stray-dogs-in-lotus-boulevard-society/articleshow/94932878.cms**
**20.) Oct 2022 – Stray dogs kill 5 year old girl in MP**
**https://www.ndtv.com/india-news/girl-5-dies-after-being-attacked-by-stray-dogs-in-madhya-pradesh-3453654**

# LIST OF ABC CENTRES IN DELHI

1. Friendicoes SECA
V.H., Ghazipur J8FF+V63, Block D,
Ghazipur, Delhi,91
Ph. 011-35712913, 011-35712939

2. Friendicoes Bijwasan
G3Q2+4CG, Sector 27 Dwarka,
Bijwasan, Delhi 110061
Ph. 011-35712913, 011-35712939

3. Sonadi Charitable Trust
Masudabad, Sainik Enclave,
Opp. Metro Pillar P-85, Najafgarh,
New Delhi-43, Ph. 011- 26275216

4. Animal India Trust Lajpat Nagar
Jal Vihar, Colony Gate No.3,
Lajpat Nagar 1, Delhi 110024
Ph. 9811252592, 011-55669924

5. Krishna Ashram, Satbari
D-3A, Rita Villa, Satbari Delhi-30

6. Sanjay Gandhi Animal Care centre
Shivaji College Rd, Shivaji Enclave,
Raja Garden, New Delhi, 110027
Ph. 011-25447751

7. Pet Animal Welfare Society (PAWS)
New MasoodpurC9/7, Masoodpur
Vasant Kunj,Delhi 110070
Ph. 1800115737

8. Dr. Sanjay Kumar
Block-A Flat 61-80, Seelampur
Housing Complex New Usmanpur,
Shahdara, Delhi, 110053

9. Dr. Rajeev Kumar, Rohini
Q456-9C2, Sector 27, Rohini,
Delhi, 1100420

10. Yash Domestic Research Centre
Bela Road, Delhi, 110002

11. Neighbourhood Woof, Timarpur
Bus Stand, 61 123, Lucknow Rd,
nearINMAS. Timarpur,
Delhi – 110054, Ph. 9811028373

12. Dr. Anubhav Khajuria, Masoodpur
G5G3+FCH. Main Road,
Masoodpur, New Delhi, 110070

13. Humane Welfare Society
MCD Dog Sterilisation centre,
MCD Sector 27, Rohini

14. Dr. Satyendra Kumar,
Sector 29, DwarkaH239+4X2,
Somesh Vihar Chhawla, Delhi-61

15. Friendicoes- SECA. V.H., Tilangpur
Kotla53, Kotla Vihar Phase 2,
Tilangpur Kotla, Delhi – 110041,
011-35712913/35712939

16. Jeevashram Foundation, Rajokri
Near Shiv Temple, Golden Gate,
Rajokri, New Delhi, Delhi 110038
011-24320707/2506 4114

**#DogBiteSolution**